काजरी द्वारा "संतुलित उर्वरक उपयोग पर जागरूकता अभियान एवं क्षमता निर्माण" कार्य शुरू

केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, काजरी निदेशक डॉ सुरेश पाल सिंह तँवर ने बताया कि काजरी द्वारा "संतुलित उर्वरक उपयोग पर जागरूकता अभियान जोधपुर जिले के विभिन्न गाँवो में शुरू कर दिया गया है, जिसके अंतर्गत "मेरा गाँव मेरा गौरव (MGMG)" की वैज्ञानिकों की टीमों द्वारा जोधपुर जिले के बीजबाडिया गाँव में डॉ अरुण कुमार शर्मा, डॉ प्रदीप वर्मा, कुलदीप सिंह जादोन, चामू गांव में डॉ सोमा श्रीवास्तव एवं डॉ कमलेश मीणा तथा मंडोर क्षेत्र के बीसलपुर ग्राम पंचायत में दिनेश कुमार यादव, डॉ. देवेंद्र सिंह एवं डॉ. मनोज परिहार ने राज्य सरकार द्वारा संचालित मृदा स्वास्थ्य संवर्धन के लिए "आपणों खेत - आपणी खाद" अभियान के साथ मिलकर किसानों को उर्वरकों का विवेकपूर्ण और संतुलित उपयोग, वैकल्पिक और सतत कृषि, प्राकृतिक खेती के दृष्टिकोण को लोकप्रिय बनाने, कम उर्वरक निर्भरता के लिए फसल योजना तथा एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन आदि विषयों पर किसानों को जागरूक किया और कम्पोस्ट खाद बनाने पर क्षमता निर्माण का कार्य भी किया गया । विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी कि वे यूरिया एवं डीएपी का अंधाधुंध उपयोग न करें, बल्कि मृदा की स्थिति, फसल की आवश्यकता एवं वैज्ञानिक सिफारिशों के आधार पर उर्वरकों का चयन करें। इससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ फसल उत्पादन की गुणवत्ता एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी।

यह अभियान जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में निरंतर संचालित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक किसानों तक संतुलित उर्वरक उपयोग का संदेश प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सके।